DURG VISHWAVIDYALAYA, DURG (C.G.)

Website - www.durguniversity.ac.in, Email - durguniversity@gmail.com

SCHEME OF EXAMINATION

&

SYLLABUS

Of

M.A.(Hindi) Annual Exam

UNDER

FACULTY OF ARTS

Session 2018-19

(Approved by Board of Studies)

Effective from July 2018

2018–19

एम.ए. पूर्व (हिन्दी)

एम.ए. पूर्व में कुल पांच प्रश्न पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र तीन घण्टे का तथा 100 अंको का होगा। इस परीक्षा में भाषा और साहित्य का व्यापक ज्ञान अपेक्षित है। निर्धारित पुस्तक और उसके निर्दिष्ट अंश केवल व्याख्यापरख प्रश्नों के लिए है। समीक्षात्मक प्रश्न कृतिकार के संपूर्ण कृतित्व से संबंधित रहेंगे। द्रुत पाठ के लिए रचनाकार के कृतित्व से परिचित होना आवश्यक है। हिन्दी भाषा और साहित्य के संपूर्ण वाङ.गमय का ज्ञान अपेक्षित है। हिन्दी के समकालीन भारतीय साहित्य, जनपदीय भाषा का साहित्य एवं रोजगारोन्मुख व्यावसायिक हिन्दी का पाठ्यक्रम बदलते युग की मांग है। अतः विद्यार्थियों को युगानुरूप हिन्दी के विविध व्यावसायिक रूपों का भी अध्ययन करना होगा ।

प्रत्येक प्रश्न पत्र में संबंधित काल के इतिहास एवं संस्कृति की जानकारी भी अपेक्षित है। अपने क्षेत्र से संबंधित आंचलिक बोली/भाषा का अपेक्षित ज्ञान एवं क्षेत्रीय शब्दों का सर्वेक्षण कार्य आवश्यक है।

एमए. पूर्व हिन्दी के निम्नलिखित पांच प्रश्न पत्र होंगेः–

क्रं.	प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1.	प्रथम	हिन्दी साहित्य का इतिहास	100	
2.	द्वितीय	प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	100	
3.	तृतीय	आधुनिक हिन्दी काव्य	100	
4.	चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य	100	
5.	पंचम	जनपदीय भाषा और साहित्य (छत्तीसगढ़ी)	100	

एम.ए. पूर्व (हिन्दी)
प्रथम प्रश्न पत्र
हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रस्तावना–

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहां के साहित्य में परिलक्षित होता है । सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, फलतः साहित्यिक रूपों में भी बदलाव आ जाता है । इस बदली हुई विकास प्रक्रिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा परखा जा सकता है ।

हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है जिसकी गूँज हिन्दी साहित्त में प्रतिध्वनित हैं । आठवीं नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है । अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है।

11.6.18 11.6.18

पाठ्य विषय

इकाई–1 **इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास।**

- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ ।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा–निर्धारण और नामकरण ।
- हिन्दी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, सिद्ध और नाथ–साहित्य, रासो–काव्य, जैन–साहित्य ।
- हिन्दी साहित्य के आदिकाल का ऐतिहासिक परिदृश्य, साहित्यिक प्रवृत्तियॉं, काव्यधाराएँ, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ ।

इकाई–2 **पूर्व–मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक–चेतना एवं भक्ति–आंदोलन, विभिन्न–काव्यधाराएँ तथा उनका वैशिष्ट्य ।**

- प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान ।
- भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व ।
- राम और कृष्ण काव्य, राकृष्णेत्तर काव्य, भक्तीतर काव्य, प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य– साहित्य ।

इकाई–3 **उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,** काल–सीमा और नामकरण, दरबारी संरक्षित लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त) प्रवृत्तियॉं और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ । रीतिकालीन गद्य–साहित्य । आधुनिक काल की सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण ।

भारतेंदु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।

द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ ।

– हिन्दी स्वच्छदयावादी चेतना का परवर्ती विकास–छायावादी काव्य : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यक विशेषताएँ।

इकाई–4 **उत्तरछायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियॉं–प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता ।**

प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यक विशेषताएँ ।

- हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोतार्ज, आदि) का विकास ।
- हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास ।
- दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय ।
- उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय ।
- हिन्दीत्तर क्षेत्रों तथा देशान्तर में हिन्दी भाषा और साहित्य ।

11.6.18

11/6/18

अंक विभाजन –

04 आलोचनात्मक प्रश्न	4 X 15	60 अंक
05 लघुत्तरीय प्रश्न	5 X 4	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	20X 1	20 अंक
	कुल	**100 अंक**

संदर्भ – ग्रन्थ

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास– डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – बाबू गुलाबराय
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास– रमाशंकर शुक्ल रसाल ।
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियॉं – डॉ. शिवकुमार शर्मा
8. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास– कृष्ण शंकर शुक्ल ।
9. हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास– चतुरसेन शास्त्री
10. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – देवीशरण रस्तोगी ।
11. हिन्दी साहित्य और उसका विकास – प्रेमलता अग्रवाल
12. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – श्यामसुन्दर दास एवं नंद दुलारे वाजपेयी
13. हिन्दी साहित्य का विवेचनात्मक इतिहास – डॉ. सरयूकान्त शास्त्री
14. हिन्दी साहित्य का इतिहास – हृदयेश मिश्र
15. हिन्दी साहित्य युग और धार – कृष्ण नारायण प्रसाद 'मागध' प्रसाद 'मागध'
16. संस्कृति के चार अध्याय– दिनकर
17. हिन्दी साहित्य का वृहद् इतिहास – नागरी प्रचारिणी सभी (18 भाग)
18. हिन्दी साहित्य– हजारी प्रसाद द्विवेदी
19. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारी प्रसाद द्विवेदी
20. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त भाग 1 एवं 2

11.6.18

11.6.18

एम.ए. पूर्व (हिन्दी)
द्वितीय प्रश्न पत्र
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

प्रस्तावना –

हिन्दी के आदिकालीन काव्य अपनी पृष्ठभूमि में अप्रभंश के आवेदन को पूरी तरह समेटे हुए है । प्रबंध, मुक्तक आदि काव्य रूपों में रचित और अपभ्रंश एवं देशी भाषा में अभिव्यजिंत आदिकालीन साहित्य की परवर्ती कालों को प्रभावित करने में सक्रिय एवं सक्षम भूमिका रही है । इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और गुण की धड़कनों को सम्रगता में समझने के लिए अनिवार्य है ।

पाठ्य विषय –

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निम्नांकित 6 कवियों का अध्ययन किया जाएगा

1. चंदरबरदाई:	पृथ्वीराज रासो संपा, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं डॉ. नावर सिंह (शशिवृता विवाह खण्ड)
2. विद्यापति :	विद्यापति पदावली–संपा. रामवृक्ष बेनीपुरी (प्रारंभिक
3. कबीर ग्रंथावली:	संपा. डॉ. श्यामसुंदर दास (100 साखियॉ एवं 25 पद)
साखियॉ :	गुरूदेव की अंग 1 से 20, सुमिरण की अंग 1 से 10, विरह की अंग 1 से 10, ग्यान बिरह की अंग 1 से 10, परचा की अंग 1 से 10, रस की अंग, 1 से 5 निहकर्मी पतिव्रता – 1 से 10, चितावणी 1 से 10, माया 1 से 5, काल की अंग 1 से 10 तक ।
पद संख्या :	11, 16, 24, 26, 27, 40, 47, 49, 60, 64, 70, 72, 75, 89, 93, 98, 99, 100, 101, 103, 110, 111, 135, 268 = (25 पद)
4. सूरदास :	भ्रमर गीत सार–संपा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल (50 पद)
5. तुलसीदास :	रामचरित मानस (गीता प्रेस) (सुंदरकांड)
6. बिहारी :	बिहारी रत्नाकर, – संपा, जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर (प्रारंभिक 100 दोहे)
7.	खण्डेराव भोंसलेः राधा विनोद – उत्तरार्ध–अध्याय छब्बीस (रूक्मिणी–कृष्ण विवाह)

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित 10 कवियों की रचनाओं का ज्ञान, भावगत, शिल्पगत विशेषताऍ, कालगत प्रवृत्तियॉ एवं कवि का परिचय जानना आवश्यक है । इन 10 कवियों पर 5 लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

1. नन्ददास,	2. दादू	3. मीरा बाई	4. रैदास,
5. रहीम	6. रसखान	7. केशव	8. देव
9. भूषण	10. पद्माकर		

अंक विभाजन –

3 व्याख्या	3X 10	=	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2X 15	=	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5X 4	=	20 अंक
20 वस्तुनिश्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न	20X 1	=	20 अंक

11.6.18

11/6/18

इकाई विभाजन –

इकाई–1 व्याख्या

इकाई–2 चंदरबरदाई, विद्यापति एवं कबीर

इकाई–3 सूरदास, तुलसीदास, बिहारीलाल एवं खण्डेराव भोंसले

इकाई–4 द्रुतपाठ के 10 कवि

इकाई–5 सहायक पाठ्य पुस्तकों से – वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी

सहायक पुस्तकें:–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. चन्दबरदाई – डॉ. विपिन बिहारी द्विवेदी
4. विद्यापति – जयनाथ नलिन
5. महाकवि विद्यापति – डॉ. कृष्णानंद पीयूष
6. कबीर का रहस्यवाद – डॉ. रामकुमार वर्मा
7. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी
8. संत धर्मदास : कबीर पंथ के प्रवर्तक – डॉ. सत्यभाम आडिल
9. कृष्ण काव्य और सूर – डॉ. प्रेमशंकर
10. सूरदास काव्य का मूल्यांकन – डॉ. रामरतन भटनागर
11. सूर साहित्य – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
12. सूरदास – डॉ. हरवंशलाल वर्मा
13. महाकवि तुलसीदास और उनका युग संदर्भ – डॉ. भागीरथ मिश्र
14. तुलसी दर्शन – डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र
15. बिहारी का मूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह
16. मुक्तक काव्य परंपरा और बिहारी – डॉ. रामसागर त्रिपाठी
17. रीति स्वछन्द काव्य धारा – डॉ. कृष्णचन्द्र वर्मा
18. मध्यकालीन हिन्दी काव्यधारा – डॉ. रामस्वरूप मिश्र
19. भक्तिकाल और लोकजीवन – डॉ. शिवकुमार मिश्र
20. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा – डॉ. मोहन लाल गौड़
21. कबीर – डॉ. महावीर अग्रवाल, श्री प्रकाशन, दुर्ग
22. कबीर – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
23. प्रमुख प्राचीन कवि – डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना

11.6.18

11.6.18

एम.ए. पूर्व (हिन्दी)
तृतीय प्रश्न पत्र
आधुनिक हिन्दी काव्य

प्रस्तावना –

आधुनिक हिन्दी काव्य पुनर्नवा के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ है। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्द्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार सरणियाँ इसमें अभिव्यक्ति हुए है । मुकम्मल मनुष्य इसमें अभिव्यंजित हुआ है। विविध धाराओं में प्रवाहमान आधुनिक हिन्दी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्र स्त्रोत है । इस प्रष्न पत्र में व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 7 कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

पाठ्य विषय–

1. मैथिलीशरण गुप्ता : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिन्ता, श्रद्धा, इड़ा सर्ग)
3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति एवं कुकुरमुत्ता ।
4. पंत : (1) परिवर्तन (2) नौका विहार
5. महादेवी वर्मा : (1) प्रिय सांध्य गगन (2) मैं नीरभरी दुःख की बदली (3) पंत होने दो अपरिचित प्राण रहने दो अकेला (4) दूर गया वह निर्मम दर्पण (5) यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो (6) रूपसी तेरा धन केश पाश ।
6. अज्ञेय : (1) नदी के द्वीप (2) असाध्य वीणा (3) बावरा अहेरी (4) सोन मछली (5) आंगन के चार (6) कितनी नावों में कितनी बार (7) सत्य तो बहुत मिले (8) एक सन्नाटा बुनता हूँ (9) हमने पौधों से कहा (10) सागर मुद्रा ।
7. मुक्तिबोध : अंधेरे में ।
8. नागार्जुन : (1) बादल को घिरते देखा है (2) सिन्दुर तिलकित भाल (3) बसन्त की आगवानी (4) कोई आए तुमसे सीखे (5) शिशिर विषकन्या (6) तो फिर क्या हुआ (7) यह तुम थीं (8) कोयल आज बोली है (9) अकाल और उसके बाद (10) शासन की बन्दूक ।

द्रुतपाठ हेतु निम्नांकित 12 कवियों का अध्ययन किया जाएगा । इसमें से किन्हीं 5 कवियों पर लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे –

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध	2. हरिवंशराय बच्चन	3. केदारनाथ अग्रवाल
4. भवानी प्रसाद मिश्र	5. शमशेर बहादुर सिंह	6. त्रिलोचन
7. रघुवीर सहाय	8. धूमिल	9. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
10. दुष्यंत कुमार	11.इन्द्र बहादुर खरे	12. माखनलाल चतुर्वेदी

11.6.18 11/6/18

अंक विभाजन –

3 व्याख्या	3X 10 =	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2X 15 =	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5X 4 =	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न	20X 1 =	20 अंक
	कुल =	**100 अंक**

इकाई विभाजन –

इकाई–1 व्याख्या

इकाई–2 गुप्त, प्रसाद व निराला ।

इकाई–3 महादेवी वर्मा, अज्ञेय, मुक्तिबोध एवं नागार्जुन ।

इकाई–4 द्रुतपाठ के 12 कवि

इकाई–5 वस्तुनिष्ठ (सभी पाठ्यपुस्तकों से)

सहायक पुस्तकें–

1. साकेत एक अध्ययन – डॉ. नगेन्द्र
2. प्रसाद का काव्य – डॉ. प्रेमशंकर
3. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. कामायनी एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
5. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. नगेन्द्र
6. कवि निराला – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी
7. निराला की साहित्य साधना – डॉ. रामविलास शर्मा
8. कवि दृष्टि – रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. नयी कविता की पहचान – डॉ. राजेन्द्र मिश्र
10. हिन्दी साहित्य : आधुनिक परिदृश्य – अज्ञेय
11. नया साहित्य : नये प्रश्न – आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
12. हिन्दी साहित्य सम्मेलन का प्रकार – विवरणिका
13. स्मृति लेखा – सं. ही. वात्स्यायन
14. कामायनी मिथक और स्वप्न – रमेष कुंतल मेंद्य
15. फिलहाल – डॉ. अशोक वाजपेयी
16. अज्ञेय का रचना संसार – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
17. कविता की तीसरी आंख – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
18. कविता से साक्षात्कार – मलयज
19. कविता का गल्प – डॉ. अशोक वाजपेयी
20. शमशेर बहादुर सिंह – डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय
21. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
22. निराला काव्य पुनर्मूल्यांकन – डॉ. धनंजय वर्मा
23. समकालीन हिन्दी कविता – रमेश अनुपम
24. समकालीन हिन्दी काव्य – डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना
25. परम अभिव्यक्ति की खोज – डॉ. धनंजय वर्मा (मुक्तिबोध के काव्य का पुर्नमूल्यांकन)
26. भोर के गीत – इन्द्रबहादुर खरे
27. आधुनिक काव्य संकलन – सत्यभामा आडिल
28. साकेश का शैली वैज्ञानिक अध्ययन – सुभ्रदा राठौर
29. कवि कथाकार विनोद कुमार शुक्ल का साहित्य – डॉ. आस्था तिवारी (शताक्षी प्रकाश्न चौबे कालोनी, रायपुर)
30. प्रगतिशील कविता और केदार – गिरिजाशंकर गौतम (शताक्षी प्रकाशन चौबे कालोनी, रायपुर)
31. मूकमाटी – श्री विद्यासागर जी
32. छायावादोत्तर काव्य की विभिन्न प्रवृत्तियों एवं उनका चैन्तनिक पक्ष – डॉ. ज्योति पाण्डेय

11.6.18 11.6.18

एम.ए. पूर्व (हिन्दी)
चतुर्थ प्रश्न पत्र
आधुनिक गद्य–साहित्य

उद्‌देश्य और प्रस्तावना–

आधुनिक काल में गद्य–साहित्य को अभूतपूर्वक सफलता मिली है। यह मानव–मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुश्य का राग–विराग, तर्क–वितर्क तथा चिंतन–मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्व ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है, वैसा अन्य साहित्यांग में नहीं। आधुनिक काल में गद्य की विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़–मन मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ़ शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि हे। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश परिस्थिति तथा चिंतन की विकास प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य हैं। इस प्रश्न पत्र में 2 नाटक, 2 उपन्यास, 7 निबंध, 7 कहानियॉ एवं 1 चरितात्मक कृति पठनीय है।

पाठ्‌य विषय–

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित –

1. चन्द्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद)
2. हानूश (भीष्म साहनी)
3. गोदान (प्रेमचंद)
4. बाणभट्‌ट की आत्मकथा (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
5. **निबंध–**

1. बालकृष्ण भट्‌ट	:	चढ़ती उमर
2. आचार्य रामचंद्र शुक्ल	:	कविता क्या है?
3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी	:	भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति
4. रामवृक्ष बेनीपुरी	:	माटी की मूरतें
5. कुबेरनाथ राय	:	हरी हरी दूब और लाचार क्रोध
6. विद्यानिवास मिश्र	:	चन्द्रमा मनसो जातः
7. हरिशंकर परसाई	:	वैष्णव की फिसलन

6. **कहानी–**

1. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	:	उसने कहा था
2. जयशंकर प्रसाद	:	पुरस्कार
3. प्रेमचंद	:	सुजान भगत
4. राजेन्द्र यादव	:	छोटे–छोटे ताजमहल
5. कृष्णा सोबती	:	बादलों के घेरे
6. उषा प्रियंवदा	:	वापसी
7. यशपाल	:	मक्रील

8. चरितात्मक कथा – विष्णु प्रभाकर : आवारा मसीहा।

11.6.18   11/6/18

द्रुत पाठ हेतु

5 नाटककार,
5 उपन्यासकार,
5 निबंधकार,
5 कहानीकार और
2 स्फुट गद्य विधाओं के रचनाकार रखे गए हैं इनमें से प्रत्येक विधा से संबंधित 1–1 लघुत्तरीय प्रश्न पूछा जाएगा।

नाटककार–

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र 2. डॉ. रामकुमार वर्मा 3. भुवनेश्वर
4. जगदीशचन्द्र माथुर 5. उपेन्द्रनाथ अश्क

उपन्यासकार– 1. राहुल सांस्कृत्यायन 2. यशपाल 3. अमृतलाल नागर
4. भीष्म सहानी 5. मन्नू भण्डारी

निबंधकार– 1. प्रतापनारायण मिश्र 2. सरदार पूर्णसिंह 3. बालमुकुन्द गुप्त
4. शिवपूजन सहायक 5. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

कहानीकार– 1. पांडेय बेचन शर्मा उग्र 2. रांगेय राधव 3. फणीश्वरनाथ रेणु
4. शिव प्रसाद सिंह 5. अमरकांत

स्फुट ग्रंथ– 1. हरिवंशराय बच्चन (क्या भूलूॅ क्या याद करूॅ) 2. महादेवी वर्मा (संस्मरण)

अंक विभाजन

3 व्याख्या	3X 10	=	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2X 15	=	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5X 4	=	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न	20X 1	=	20 अंक
	कुल	**=**	**100 अंक**

इकाई विभाजन –

इकाई–1	व्याख्या
इकाई–2	चन्द्रगुप्त, आशाढ़ का एक दिन, गोदान एवं बाणभट्ट की आत्मकथा
इकाई–3	निबंध, कहानी एवं चरितात्मक कथा आवारा मसीहा
इकाई–4	द्रुतपाठ के रचनाकार
इकाई–5	वस्तुनिष्ठ (सभी पाठ्यक्रमों से)

11.6.18

11.6.18

सहायक पुस्तकें–

1. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास – डॉ. दशरथ ओझा
2. हिन्दी नाटक सिद्धांत और विवेचन – डॉ. गिरीश रस्तोगी
3. हिन्दी नाटक पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सत्येन्द्र तनेजा
4. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र सृष्टि – डॉ. जयदेव तनेजा
5. हिन्दी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ. सिद्धनाथ कुमार
6. प्रेमचंद और उसका युग – डॉ. रामविलास शर्मा
7. गोदान के अध्ययन की समस्याएँ – डॉ. गोपाल राय
8. कहानी नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह
9. नई कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
10. शांति निकेतन में शिवालिक – डॉ. शिवप्रसाद सिंह
11. हजारी प्रसाद द्विवेदी – सं. विश्वनाथ तिवारी
12. कहानी, संवेदना और धरातल – राजेन्द्र यादव
13. कथाकार फणीश्वर नाथ रेणु – चंद्रभान सोनवणे
14. हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में जीवन सत्य – डॉ. इंदु प्रकाश पाण्डेय
15. हिन्दी उपन्यासों में आंचलिकता की प्रवृत्ति – डॉ. के.वुड़के
16. हिन्दी कहानी का रचना शास्त्र – डॉ. धनंजय वर्मा
17. हिन्दी कहानी का सफरनामा – डॉ. धनंजय वर्मा
18. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
19. रंग–दर्शन – नेमिचंद जैन
20. संस्मरण – महादेवी वर्मा
21. प्रेमचंद साहित्य में सूक्ति–सौष्ठव – राजकुमार पाण्डेय
22. हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य चिंतन – शशि पाण्डेय (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
23. हिन्दी लघुकथा का विकास – डॉ. अंजली शर्मा (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
24. भीष्म साहनी के उपन्यास और नाटक – डॉ. राकेश कुमार तिवारी (अभिषेक प्रकाशन, रायपुर)
25. नई कहानी और भीष्म साहनी – डॉ. राकेश कुमार तिवारी (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)

11.6.18

11/6/18

एम.ए. पूर्व (हिन्दी)
पंचम प्रश्न पत्र
जनपदीय भाषा और साहित्य

उद्देश्य एवं प्रस्तावना–

हिन्दी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी पर्याप्त साहित्य सृजन किया जा रहा है। प्राचीन साहित्य तो मुख्यतः विभाषाओं में ही प्राप्त है। इनका पृथक अध्ययन कराने से इन विभाषाओं का उत्तरोत्तर विकास होगा। इस प्रश्न पत्र में क्षेत्रीय/जनपदीय भाषा में रचित अर्वांचीन साहित्य का अध्ययन आवश्यक है ।

पाठ्य विषय–

1. अ. छत्तीसगढ़ी भाषा एवं व्याकरण– (भौगोलिक सीमा, नामकरण, भाषा का इतिहास, व्याकरण के अंग–उपांग)
   ब. छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियॉ एवं इतिहास

2. **छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि : (व्याख्या एवं विवेचना)**
   (1) सुंदर लाल शर्मा
   (2) मुकटधर पाण्डेय
   (3) द्वारिका प्रसाद मिश्र
   (4) कुंज बिहारी चौबे
   (5) कपिल नाथ कश्यप
   (6) श्याम लाल चतुर्वेदी
   (7) गिरिवर दास वैष्णव
   (8) हरि ठाकुर
   (9) नारायण लाल परमार
   (10) डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

3. **छत्तीसगढ़ी गद्य एवं गद्यकार – (व्याख्या एवं विवेचना)**

(1) सतवंतिन सुकवारा (श्याम लाल चतुर्वेदी)
(2) सुवा हमर संगवारी (लखन लाल गुप्त)
(3) गोरसी के गोठ (डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा)
(4) ऑसू में फिले अचरा (केयूर भूषण)
(5) कउवा, कबूतर अऊ मनखे (परमानंद वर्मा)
(6) गाय न गय, सुख होय हरू (लक्ष्मण मस्तुरिहा)
(7) फिरंतिन (मौसी दाई) – (शिवशंकर शुक्ल)

4. **छत्तीसगढ़ी नाटक एवं एकांकी – (व्याख्या एवं विवेचना)**

(1) करमछड़हा (नाटक) – डॉ. खूबचंद बघेल
(2) परेमा (एकांकी) – नन्दकिशोर तिवारी
(3) सउत के डर (एकांकी) – टिकेन्द्र टिकरिहा

5. **उपन्यास– (व्याख्या एवं विवेचना)**

आवा– परदेशी राम वर्मा

11.6.18

11.6.18

द्रुत पाठ के लिए निम्नांकित कवियों का अध्ययन किया जाएगा। इनमें से किन्हीं पांच पर लघुत्तरीय प्रश्न पूछे जाऐंगे ।

(1) नरसिंह दास	(2) शुकलाल प्रसाद पाण्डेय	(3) लोचन प्रसाद पाण्डेय
(4) कपिलनाथ मिश्र	(5) प्यारेलाल गुप्ता	(6) लाल जगदलपुरी
(7) लखनलाल वर्मा	(8) कोदूराम दलित	(9) डॉ. बल्देव
(10) दानेश्वर वर्मा	(11) पवन दीवान	(12) जीवन यदु
(13) ऊधोराम झखमार	(14) बद्रीविशाल परमानन्द	

अंक विभाजन –

3 व्याख्या	3X 10	=	30 अंक
2 आलोचनात्मक प्रश्न	2X 15	=	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5X 4	=	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरीय प्रश्न	20X 1	=	20 अंक
	कुल	**=**	**100 अंक**

इकाई विभाजन –

इकाई–1 व्याख्या (01 कविता, 01 गद्यकथा, 01 नाटक एवं उपन्यास)

इकाई–2 छत्तीसगढ़ी कविता एवं कवि छत्तीसगढ़ी गद्य एवं गद्यकार

इकाई–3 छत्तीसगढ़ी नाटक, एकांकी एवं आवा (उपन्यास)

इकाई–4 द्रुतपाठ के रचनाकार व छत्तीसगढ़ी साहित्य की युग प्रवृत्तियॉ एवं इतिहास (आमुख)

इकाई–5 भाषा एवं व्याकरण (वस्तुनिष्ठ)

पाठ्यपुस्तक छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य– संपादक– डॉ. सत्यभामा आडिल। सहायक पुस्तकें:–

1. छत्तीसगढ़ी का उद्विकास – डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश – डॉ. कांतिकुमार
3. छत्तीसगढ़ी हलवी, भतरी भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन – भलाचंद्रराव तैलंग
4. छत्तीसगढ़ी परिचय – डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र
5. खूब तमाश – गोपाल प्रसाद मिश्र
6. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य का अध्ययन – दयाशंकर शुक्ल
7. ए ग्रामर ऑफ छत्तीसगढ़ डायलेक्ट – हीरालाल काव्यापाध्याय अनुवादक ग्रियर्सन
8. स्व. लोचन प्रसाद पाण्डेय – प्यारेलाल गुप्त
9. छत्तीसगढ़ी लोकजीवन और लोकसाहित्य का अध्ययन – डॉ. शंकुतला वर्मा
10. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. शंकुतला वर्मा
11. प्राचीन छत्तीसगढ़ी बोली – प्यारेलाल गुप्त
12. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन – नंदकिशोर तिवारी
13. झॉपी – जमुना प्रसाद कसार
14. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य और भाषा – डॉ. बिहारी लाल साहू
15. छत्तीसगढ़ के नव रत्न द – रमेश नैयर (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
16. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्यः अर्थ और व्याप्ति –डॉ.अनुसूया अग्रवाल (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
17. छत्तीसगढ़ के साहित्यकार – देवीप्रसाद वर्मा (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)

11·6·18 11/6/18

18. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण – चंद्रकुमार चंद्राकर (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
19. पैदल जिंदगी का कवि – डॉ. डुमन लाल ध्रुव
20. पुतरा–पुतरी के बिहाव – परदेसीराम वर्मा
21. अपूर्वा – डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा
22. पुतरा–पुतरी के बिहाव – परदेसीराम वर्मा
23. दुवारी – प्रदीप कुमार वर्मा
24. रत्ना – पारसनाथ देवांगन
25. छत्तीसगढ़ के सुराजी – सुशील यदु
26. संत धर्मदास – डॉ. सत्यभामा आडिल
27. पिंवरी लिखे तोर भाग – बद्रीविशाल परमानंद
28. लोकरंग 1, 2 – संपादक सुशील यदु
29. सोन चिरइया – हेमनाथ यदु
30. हमार छत्तीसगढ़ – सं. महावीर अग्रवाल
31. कौशल्यानंदन (छत्तीसगढ़ी अनुवाद) – प्रभंजन शास्त्री
32. ऋतुसंहार (छत्तीसगढ़ी अनुवाद) – रसिक बिहारी अवधिया
33. ररूहा सपनाय दारभात – ऊधोराम झखमार
34. छत्तीसगढ़ी गजल – मुकुन्द कौशल
35. खोरबाहरा तोला गांधी बनाबो – डॉ. राजेन्द्र सोनी
36. चोर ले जादा मोटरा अलवाईन – डॉ. राजेन्द्र सोनी
37. छत्तीसगढ़ हाइकू – डॉ. राजेन्द्र सोनी
38. छत्तीसगढ़ी लोकोक्तियाँ और जनजीवन – डॉ. अनुसूया अग्रवाल
39. छत्तीसगढ़ के युग पुरूष त्यागमूर्ति ठाकुर प्यारेलाल– रमेश नैयर (शताक्षी प्रकाशन चौबे कालोनी, रायपुर)
40. छत्तीसगढ़ की लोक कथाएँ– जयप्रकाश मानस (शताक्षी प्रका. चौबे कालोनी, रायपुर)

छत्तीसगढ़ी शब्दकोष–

1. छत्तीसगढ़ी शब्दकोष – डॉ. पालेश्वर वर्मा
2. छत्तीसगढ़ी शब्दकोष – डॉ. चन्द्रकुमार चन्द्राकर
3. छत्तीसगढ़ी भाषा, वियाकरण अउ कोस – मंगत रवीन्द्र
4. छत्तीसगढ़ी शब्दकोष – रमेश चन्द्र महरोत्रा एवं अन्य
5. छत्तीसगढ़ी व्यवहारिक शब्दकोष – डॉ. सत्यभामा आडिल
6. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोष – डॉ. रमेशचन्द्र महरोत्रा एवं अन्य

पत्र–पत्रिकाएँ –

1. लोकाक्षर – छत्तीसगढ़ी त्रैमासिक पत्रिका, बिलासपुर
2. छत्तीसगढ़ी सेवक – साप्ताहिक छत्तीसगढ़ी पत्र, सं. जागेश्वर प्रसाद
3. देशबंधु का साप्ताहिक मड़ई अंक – सं. सुधा वर्मा
4. काहे रे नलिनी तू कुम्हलानी – वार्षिक पत्रिका, सं. परदेशीराम वर्मा
5. धरोहर (मासिक पत्रिका) – सं. दुर्गा प्रसाद पारकर।

11.6.18

11.6.18

2018—19
एम.ए. (हिन्दी) अंतिम

एम.ए. अंतिम हिन्दी में निम्नलिखित अनिवार्य प्रश्न पत्र होंगे।

क्रं.	प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र का नाम	अंक	पेपर कोड
1.	षष्ठ	काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	100	
2.	सप्तम	भाषाविज्ञान एवं हिन्दी भाषा	100	
3.	अष्टम	प्रयोजनमूलक हिन्दी	100	
4.	नवम	भारतीय साहित्य	100	
5.	दशम	पत्रकारिता प्रशिक्षण	100	

एम. ए. (हिन्दी) अंतिम
षष्ठ प्रश्न पत्र
काव्यशास्त्र एवं साहित्यलोचन

प्रस्तावना–

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्‌घाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यलोचन का ज्ञान अपरिहार्य है । इनसे साहित्यिक समझ विकसित होती है । यह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके । सामाजिक–सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आस्वाद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और जॉचने–परखने के लिए भारतीय और पाश्चात्य काव्य शास्त्र तथा हिन्दी के निजी साहित्यलोचन का अध्ययन समीचीन है ।

पाठ्‌यविषय

इकाई–1 संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य–लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार । रस–सिद्धांतः रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाऍ, अलंकारों का वर्गीकरण । रीति का सिद्धांतः रीति की अवधारण, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाऍ । वक्रोक्ति–सिद्धांतः वक्रोक्ति की अवधारण, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद । ध्वनि–सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि– सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाऍ, ध्वनि– काव्य के प्रमुख पद । भेद, गुणीभूत, व्यंग्य, चित्र–काव्य । औचित्य सिद्धांत : परमुख स्थापनाऍ, औचित्य के भेद

इकाई–2 – पाश्चात्य काव्यशास्त्र प्लेटोः काव्य सिद्धांत अरस्तू : अनुकरण– सिद्धांत, त्रासदी– विवेचन लोजाइनस : उदात्त की अवधारणा । मैथ्यू ऑर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य । आई.ए.रिचड्र्सः रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यवहारिक आलोचना । कॉलरिज टी.एस. इलियट

11.6.18

11.6.18

इकाई–3 (क) हिन्दी कवि–आचार्यो का काव्यशास्त्रीय, चिंतन, लक्षण, काव्य परंपरा एवं काव्य शिक्षा– (1) केशवदास (2) देव (3) रामचन्द्र शुक्ल (4) नंददुलारे वाजपेयी (5) डॉ. रामविलास शर्मा (ख) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉ : शास्त्रीय, व्यक्तिवादी, ऐतिहासिक तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैली वैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय । (ग) व्यावहारिक समीक्षा, काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार व्याख्या ।

इकाई–4 सिद्धांत और वाद–अभिजात्यवाद, स्वच्छंदावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्व वाद इकाई विभाजन अंक विभाजन 1. संस्कृत काव्य शास्त्र 15 अंक 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र 15 अंक 3. (क) हिन्दी कवि आचार्यो का काव्यशास्त्रीय चिंतन 15 अंक (ख) हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियॉ (ग) व्यावहारिक समीक्षा

4. सिद्धांत और वाद		15 अंक
5. 5 लघुत्तरीय प्रश्न	5X4	20 अंक
6. 20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20X1	20 अंक
	कुल	**100 अंक**

संदर्भ ग्रन्थः–

1. साहित्य के प्रमुख पक्ष – डॉ. राममूर्ति त्रिपाठी
2. रस सिद्धांत – डॉ. नगेन्द्र
3. रीति काव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
4. भारतीय काव्यशास्त्री – डॉ. उदयभान सिंह
5. हिन्दी की सामाजिक समीक्षा – डॉ. रामाधार शर्मा
6. हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ
7. समीक्षा के प्रतिमान – डॉ. निर्मला जैन
8. पाश्चात्य काव्य शास्त्र – डॉ. विजय बहादुर सिंह
9. पाश्चात्य समीक्षा के मानदंड – प्रो. प्रमोद वर्मा
10. भारतीय और पाश्चात्य समीक्षा – डॉ. गणेश खरे
11. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन – डॉ. शिव कुमार मिश्र
12. आलोचना के नये मान – कर्ण सिंह चौहान
13. कला की कसौटी – निर्मला वर्मा
14. यथार्थवाद – डॉ. शिवकुमार मिश्रा
15. दूसरी परम्परा की खोज – डॉ. नामवर सिंह
16. समीक्षा के प्रतिमान – डॉ. गंगाचरण त्रिपाठी
17. नया साहित्य नये प्रश्न – आचार्य नंद दुलारे वाजपेयी

11.6.18 11.6.18

एम. ए. (हिन्दी) अंतिम
सप्तम प्रश्न पत्र
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

प्रस्तावना–

साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मित है । साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वागिण ज्ञान अपरिहार्य है ।

भाषा विज्ञान भाषा की वस्तुनिष्ट अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाईयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर इनके अंतः संबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है । मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीय साहित्यक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति प्राचीन भारतीय एवं अधुनातन पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है । कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येत्तर, प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्वपूर्ण है ।

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, स्वरूप, विविधरूपता तथा हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य विकास और मानवीकरण का विवरण हिन्दी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है ।

पाठ्य विषय– (क) भाषा विज्ञान

1. भाषा और भाषा विज्ञान, भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा–व्यवस्था और भाषा व्यवहार, भाषा–संरचना और भाषिक–प्रकार्य, भाषा विज्ञान–स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ–वर्णात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।
2. स्वनप्रक्रिया–स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ वागवयव और उनके कार्य, स्वनों का वर्गीकरण, स्वनिक परिवर्तन ।
3. व्याकरण–रूप–प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद, मुक्त–आबद्ध अर्थदर्शी और संबंधी दर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य । वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण ।
4. अर्थाविज्ञान– अर्थ की अवधारण, शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ–परिवर्तन ।
5. साहित्य और भाषाविज्ञान–साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान के अंगों की उपयोगिता ।

(ख) हिन्दी भाषा

1. हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ–वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उसकी विशेषताएँ । मध्यकालिन भारतीय आर्यभाषाएँ–पालि, प्राकृत–शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ । आधुनिक भारतीय आर्यभाषा–समूह और उनका वर्गीकरण ।
2. हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियॉ । खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ ।
3. हिन्दी का भाषिक स्वरूप–हिन्दी शब्द रचना–उपसर्ग, प्रत्यय, समास । रूपरचना लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी की संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप । हिन्दी काव्य, रचना–पदक्रम और अन्विति ।

11.6.18 11.6.18

4. हिन्दी के विविध रूप–संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राज भाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम–भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।
5. हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ – आंकड़ा–संसाधन और शब्द–संसाधन, वर्तनी–शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण ।
6. देवनागरी लिपि–विशेषताएँ और मानवीकरण ।

इकाई विभाजन–

इकाई–1 भाषा और विज्ञान, स्वन–प्रक्रिया

इकाई–2 व्याकरण

इकाई–3 अर्थ विज्ञान, साहित्य और भाषाविज्ञान ।

इकाई–4 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिन्दी का भाषिक स्वरूप ।

इकाई–5 हिन्दी के विविध रूप, देवनागरी लिपि, हिन्दी में कम्प्यूटर की सुविधाएं ।

अंक विभाजन –

भाषा विज्ञान (2 आलोचनात्मक प्रश्न)	2X15	=	30 अंक
हिन्दी भाषा (2 आलोचनात्मक प्रश्न)	2X15	=	30 अंक
5 लघुत्तरीय प्रश्न	5X4	=	20 अंक
20 वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरी प्रश्न	20X1	=	20 अंक
		कुल	**100 अंक**

संदर्भ ग्रंथ–

1. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी – सुनीति कुमार चटर्जी
2. भारतीय भाषाएँ और भाषा संबंधी समस्याएँ –
3. हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा
4. नागरी अंक और अक्षर – धीरेन्द्र वर्मा
5. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना
6. भाषाविज्ञान और हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी
7. हिन्दी भाषाविज्ञान – मनमोहन गौतम (सूर्या प्रकाशन)
8. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा – द्वारिका प्रसाद सक्सेना (भीमर्श प्रकाशन)
9. भाषाविज्ञान और भाषा – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
10. भाषाविज्ञान – देवेन्द्रनाथ शर्मा
11. भाषा शास्त्र – उदयनारायण तिवारी
12. हिन्दी भाषा और बोलियों का अंतर संबंध – सं.डॉ. सरोज मिश्रा (शांति प्रकाशन, इलाहाबाद)
13. हिन्दी का नवीनतम बीज–व्याकरण – रमेशचन्द्र मेहरोत्रा एवं चितरंजनकर
14. प्रयोजन मूलक हिन्दी – बालेन्दु शेखर तिवारी
15. हिन्दी भाषा की संरचना के अभ्यास – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव

11.6.18 11.6.18

एम. ए. (हिन्दी) अंतिम
अष्टम प्रश्न पत्र
प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रस्तावना–

भाषा मानव जीवन की अनिवार्य सामाजिक वस्तु और व्यावहारिक चेतना है । जिसके दो मुख्य आयाम या प्रकार्य हैं । सौन्दर्यपरक और प्योजनपूरक भाषा के प्रयोजनपरक आवास का संबंध हमारी सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से है ओर व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज–सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होती है । उत्तर आधुनिक काल में जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्वों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्र में उपयोग की जाने वाली प्रयोजनपरक हिन्दी का अध्ययन अति अपेक्षित है । इसके विविध आयामों से न केवल रोजगार या जीविका की समस्याएं हल होगी अपितु राष्ट्र भाषा तथा राजभाषा का संस्कार भी दृढ़ होगा ।

पाठ्य विषयः–

इकाई–1 खंड–क : कामकाजी हिन्दी

– हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, संचार–भाषा, राजभाषा, माध्यम–भाषा, मातृभाषा ।
– कार्यालयीन हिन्दी (राजभाषा) के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी ।
– पारिभाषिक शब्दावली– स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली–निर्माण के सिद्धांत ।
– ज्ञान–विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली (निर्धारित शब्द)

हिन्दी कंप्यूटिंग

– कम्प्यूटरः परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा क्षेत्र वेब–पब्लिशिंग का परिचय ।
– इंटरनेट संपर्क– उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र ।
– वेब–पब्लिशिंग – इंटर एक्सप्लोइट अथवा नेटस्कोप ।
– लिंक, ब्राउजिंग, ई–मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व अपलोडिंग हिन्दी साफ्टवेयर, पैकेज ।

इकाई–2 खंड – ख– पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार ।

हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास

– समाचार– लेखन – कला
– संपादन के आधार भूत तत्व ।
– व्यवहारिक प्रूफ – शोधन
– शीर्षक की संरचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक–संपादन, संपादकीय लेखन
– पृष्ठ सज्जा साक्षात्कार, पत्रकार–वार्ता एवं प्रेस–प्रबंधन प्रमुख प्रेस
– कानून एवं आचार–संहिता ।

11.6.18 11.6.18

इकाई 3 खंड– ग: मीडिया – लेखन

– जनसंचार : प्रौद्योगिक एवं चुनौयिाँ
– विभिन्न जनसंचार–माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट ।
– श्रव्य माध्यम (रेडियो)
– मौखिक भाषा की प्रकृति। समाचार लेखन एवं वाचन। रेडियो नाटक। उद्घोषणा लेखन। विज्ञापन लेखन।
– फीचर एवं रिपोतार्ज ।
– दृश्य – श्रव्य माध्यम (फिलम, टेलीविजन एवं विडियो)
– दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति ।
– दृश्य एवं श्रव्य सामाग्री का सामंजस्य । पार्श्व वाचन (वायस ओवर)
– पटकथा लेखन – टेली ड्रामा/डाक्यूमेन्ट्री ड्रामा ।
– संवाद– लेखन । साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण । विज्ञापन की भाषा ।
– इंटरनेट : सामग्री – सृजन (Contect Creation)

इकाई 4 खंड – घ : अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

– अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र प्रक्रिया एवं प्रविधि
– हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
– कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद
– जन संचार माध्यमों का अनुवाद
– विज्ञापन में अनुवाद
– वैचारिक : साहित्य का अनुवाद
– वाणिज्यिक अनुवाद
– वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद
– विधि–साहित्य की हिन्दी और अनुवाद, व्यवहारिक अनुवाद अभ्यास ।

कार्यालयी अनुवाद : कार्यालयीन एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग आदि
– पत्रों के अनुवाद
– पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद
– बैंक – साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
– विधि – साहित्य के अनुवाद का अभ्यास
– साहित्यिक – अनुवाद के सिद्धांत एवं व्यवहार : कविता, कहानी नाटक ।
– सारानुवाद
– दुभाषिया प्रविधि
– अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

11.6.18
11.6.18

इकाई विभाजन	अंक विभाजन
इकाई–1–क– कामकाजी हिन्दी व हिन्दी कम्प्यूटिंग	15 अंक
इकाई–2–ख– पत्रकारिता	15 अंक
इकाई–3–ग– मीडिया लेखन	15 अंक
इकाई–4– अनुवाद	15 अंक
इकाई–5–लघुत्तरीय प्रश्न	5X4 = 20 अंक
इकाई–6– 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अतिलघुत्तरीय प्रश्न	20X1 = 20 अंक

संदर्भ ग्रन्थ –

1. प्रयोजनात्मक हिन्दी – प्रो. सूर्यप्रसाद दीक्षित एवं सिंह (सुलभ प्रकाशन)
2. वाणिज्यिक हिन्दी – आर.बी.नारायण (ज्ञानोदय प्रकाशन)
3. व्यावहारिक हिन्दी – एन.डी.पालीवाल (मानीषा प्रकाशन, दिल्ली)
4. प्रशासनिक हिन्दी – पुष्पा कुमारी (क्लासिकल पब्लिक कम्पनी)
5. अच्छी हिन्दी – रामचन्द्र वर्मा
6. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी – डॉ. चन्द्रकुमार (क्लासिकल पब्लिक कंपनी)
7. बैकिंग हिन्दी पत्राचार, स्वरूप एवं सम्प्रेशण – डॉ. निश्चल एवं सिंह (किताब घर, नई दिल्ली)
8. पत्रकारिता के छः दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी (साहित्य संगम, इलाहाबाद)
9. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास – अर्जुन तिवारी (वाणी प्रकाशन)
10. पत्रिका संपादन कला – डॉ. रामचन्द्र तिवारी (आलेख प्रकाशन)
11. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र (भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन)
12. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबन्ध– डॉ. सुकमाल जैन, म.प्र.हि.ग्र.अ.
13. जनमाध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
14. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम– डॉ. संजीव भानानत (यू.प्र. रायपुर)
15. वृहद् हिन्दी पत्र–पत्रिका कोश – सूर्य प्रसाद दीक्षित
16. पत्रकारिता संदर्भ कोश – डॉ. सुधीन्द्र, डॉ. रामप्रकाश (वाणी प्रकाशन)
17. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद प्रताप वैदिक
18. जनमाध्यम और पत्रकारिता – डॉ. प्रवीण दीक्षित (सहयोगी साहित्य संस्थान)
19. कम्प्यूटर अध्ययन : एक परिचय – नरेन्द्र सिंह पटेल (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
20. इंटरनेट : एक जानकारी – एस.मक्कड़ (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
21. दूरदर्शनः हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग– डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू (मीनाक्षी प्रकाशन, जयपुर)
22. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय मल्होत्रा (वाणी प्रकाशन)
23. कम्प्यूटर एप्लीकेशन – गौरव अग्रवाल (शिवा प्रकाशन)
24. कम्प्यूटर क्या, क्यों और कैसे – रामबंशल विश्वविद्याचार्य (वाणी प्रकाशन)
25. अनुवाद के सिद्धांत – सुरेश कुमार
26. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – सुरेश कुमार
27. अनुवाद बोध – डॉ. गार्गीगुप्त (भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली)
28. साहित्यानुवाद – संवाद और संवेदना – डॉ. आरसू (वाणी प्रकाशन)
29. हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद – आलोक रस्तोगी (सुमीत प्रकाशन)
30. प्रयोजनमूलक हिन्दी – (स.) डॉ. चितरंजन कर एवं डॉ. सुधीर शर्मा

एम. ए. (हिन्दी) अंतिम
नवम् प्रश्न पत्र
भारतीय साहित्य

प्रस्तावना –

भारतीय भाषाओं में हिन्दी भाषा और साहित्य का स्थान अन्य प्रांतीय भाषाओं की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए हिन्दी साहित्याध्ययन को अधिकाधिक गंभीर तथा प्रशस्त बनाना अत्यंत आवश्यक है । एक समेकित भारतीय साहित्य की रूपरचना के लिए हिन्दी का भारतीय संदर्भ सर्वथा प्रासंगिक है । इस दृष्टि से हिन्दी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए भारतीय भाषाओं के साहित्य का ज्ञान अनिवार्य है । तभी उनके ज्ञान क्षितिज एवं सांस्कृतिक दृष्टि का विकास होगा । यही नहीं, इससे हिन्दी अध्ययन का अंतरंग विस्तार भी होगा । इस प्रश्नपत्र के चार खंड होंगे । प्रत्येक खंड से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा ।

पाठ्यविषय–

प्रथम खंड –

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिंब
4. भारतीयता का समाज शास्त्र
5. हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति ।

द्वितीय खंड

इसके अंतर्गत हिन्दीतर साहित्य का अध्ययन अपेक्षित है, जो तीन वर्गो में विभाजित है–

1. दाक्षिणात्य भाषा वर्ग में मलयालम
2. पूर्वांचल भाषा वर्ग में बंगला
3. पश्चिमोत्तर भाषा वर्ग में मराठी

निर्देश–

1. प्रत्येक विद्यार्थी इन तीन विकल्पों में से एक भाषा का चयन करेगा, बशर्ते वह भाषा उसकी अपनी क्षेत्रीय भाषा से भिन्न भाषा वाले वर्ग से संबंधित हो ।
2. विद्यार्थी एक भाष–वर्ग (मलयालम / बंगाली / मराठी) में से किसी एक के साहित्य के इतिहास का अध्ययन करेगा ।

तृतीय खंड –

इस खंड के अंतर्गत तुलनात्मक अध्ययन अपेक्षित है । इसमें द्वितीय खंड में निर्धारित किसी एक हिन्दीतर भाषा साहित्य के साथ हिन्दी को जोड़कर अध्ययन करना होगा ।

चतुर्थ खंड–

इसके अंतर्गत एक उपन्यास, एक कविता संग्रह, एक नाटक का आलोचनात्मक अध्ययन किया जायेगा। प्रश्न आलोचनात्मक पूछे जाएँगे। तीनों विधाओं पर एक–एक प्रश्न पूछे जाएँगे। तीनों प्रश्नों के समान रूप से 5–5 अंक रखे जाएँगे। उपन्यास अग्निगर्भ (बंगला महश्वेता देवी)
कविता संग्रह कोच्चि के दरख्त (मलयालम के.जी.शंकरपिल्लै)
नाटक हयवदन (गिरीश कर्नाड)

11.6.18 11/6/18 11.6.18

(21)

इकाई–विभाजन		**अंक विभाजन**
इकाई–1 खंड एक		15 अंक
इकाई–2 खंड दो		15 अंक
इकाई–3 खंड तीन		15 अंक
इकाई–4 खंड चार		15 अंक
इकाई–5 लघुत्तरीय प्रश्न	(5X4)	20 अंक
इकाई–6 वस्तुनिश्ठ प्रश्न/अति लघुत्तरीय प्रष्न	(20X1)	20 अंक

पाठ्य पुस्तक–

उपन्यास–1 अग्नि गर्भ (बंगला) – महाश्वेता देवी (प्रकाशक– किताब क्लब, राधाकृष्ण प्रकाशन)

कविता 2. कोच्चि के दरख्त (मलयालम) के.जी. शंकरपिल्लै (प्रकाशक वाणी प्रकाशन, 21 ए, नई दिल्ली दरियागंज)।

नाटक 3. हयवदन (कन्नड़) गिरीश कर्नाड़ (प्रकाशक, राधाकृष्ण प्रकाशन, 2/38 अंसारी मार्ग, दरियागंज नई दिल्ली, 110002)

संदर्भ एवं सूची:–

1. इक्कीस बंगला कहानियाँ– नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया ए–5, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली, 110016,
2. समसामयिक हिन्दी कहानियाँ – डॉ. धनंजय वर्मा।
3. मलयालम साहित्य – परख और पहचान, प्रो. आर. सुरेन्द्रन, हिन्दी विभाग, कालीकट, विवि. केरल
4. राष्ट्रीय चेतना और मलयालम साहित्य प्रो. आर. सुरेन्द्रन, हिन्दी विभाग, कालीकट वि.वि. केरल
5. मराठी भाषा और साहित्य –राज मल बोरा, प्रकाशक नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, 2/35 अंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली 110002।
6. मलयालम साहित्यकारों से साक्षात्कार – प्रो. आर.सुरेन्द्रन, हिन्दी विभाग, कालीकट वि.वि., केरल
7. बंगला भाषा और साहित्य का इतिहास – भारतीय भाषा संस्थान, इलाहाबाद ।
8. भारतीय साहित्य कोष – सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली ।
9. भारतीय साहित्य – सं. डॉ. नगेन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली ।
10. भारतीय साहित्य एनमाला सं. कृष्णदयाल भार्गव, वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, शिक्षा तथा युवक सेवा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली ।
11. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा ।
12. भारतीय भाषाओं के साहित्य का इतिहास– केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली ।
13. भारतीय साहित्य अवधारणा समन्वय एवं सादृश्यता– जगदीश गुप्त (संघवी प्रकाशन)

पत्रिकाएँ–

1. सद्भावना दर्पण– सं. गिरीश पंकज, रायपुर
2. छत्तीसगढ़ टुडे, रायपुर
3. अक्षर पर्व– देशबंधु प्रकाशन, रायपुर
4. राष्ट्र सेतु – रायपुर

11/06/18 11.6.18

11.6.18

एम. ए. (हिन्दी) अंतिम
दशम प्रश्न पत्र
पत्रकारिता–प्रशिक्षण

प्रस्तावना–

पत्रकारिता आज जीवन–समाज की धड़कन बन गई है । सिमटते विश्व में स्नायु–तंतुओं के समान काम कर रही है । समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाक्षिक, त्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूवरूप देखा जा सकता है । इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है । सात्यि के साथ–साथ रोजगारपारकता की आकांक्षा की पूर्ति भी इससे होती है । पुनर्जागरण, स्वतंत्रता, समता, बंधुत्व नारी तथा दलित जागरण में इसकी क्रांतिकारी भूमिका रही है । अतः इसका अध्ययन आज की अनिवार्यता बन जाती है ।

पाठ्यविषयः–

1. पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार।
2. विश्व पत्रकारिता का उदय, भारत में पत्रकारिता का आरंभ।
3. हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास।
4. समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व– समाचार संकलन तथा लेखन के मुख्य आयाम।
5. संपादन कला के सामान्य सिद्धांत– शीर्शकीकरण, पृष्ठ–विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया ।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों की योजना ।
7. दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता ।
8. समाचार के विभिन्न स्त्रोत ।
9. संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति ।
10. पत्रकारिता से संबंधित लेखन– संपादकीय, फीचर, रिपोतार्ज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फालोअप) आदि की प्रविधि ।
11. इलेक्ट्रॉनिक मिडिया की पत्रकारिता – रेडियो, टी.वी. वीडियो, केबल, मल्टी मीडिया और इंटरनेट की पत्रकारिता ।
12. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रणकला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा ।
13. पत्रकारिता का प्रबंधन प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा विवरण व्यवस्था ।
14. भारतीय संविधान, सूचनाधिकारी एवं मानवाधिकार ।
15. मुक्त प्रेस की अवधारणा ।
16. लोक–संपर्क तथा विज्ञापन ।
17. प्रसारभारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी ।
18. प्रेस–संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार–संहिता ।
19. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

इकाई–विभाजन			**अंक विभाजन**
इकाई–1	5 तक		15 अंक
इकाई–2	6 से 10 तक		15 अंक
इकाई–3	11 से 15 तक		15 अंक
इकाई–4	16 से 19 तक		15 अंक
इकाई–5	5 लघुत्तरीय प्रश्न	5X4	20 अंक
इकाई –6	20 वस्तुनिश्ठ प्रश्न / अति लघुत्तरीय प्रश्न	20X1	20 अंक
		कुल	**100 अंक**

23

11-6-18

11/06/18

11-6-18

संदर्भ–सूची

1. पत्रकारिता के छह दशक – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, साहित्य संगम इलाहाबाद
2. पत्रिका संपादन कला – डॉ. रामचंद्र तिवारी, आलेख प्रकाषन ।
3. समाचार पत्र, मुद्रण और साज–सज्जा – श्याम सुंदर शर्मा, म.प्र.हि.ग्रंथ अका. ।
4. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास – अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन ।
5. समाचार पत्र/व्यवस्थापन – अनंत गोपाल शेवड़े, म.प्र.हि.ग्रंथ अका.
6. भाशायी पत्रकारिता और जनसंचार – डॉ. विष्णु पंकज, विवेक पब्लि. रायपुर
7. हिन्दी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन ।
8. पत्रकारिता का परिपेक्ष्य – जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, साहित्य संगम ।
9. हिन्दी पत्रकारिता के गौरव – बांके बिहारी भटनागर, हरिवंश राय बच्चन, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली ।
10. भारतीय समाचार पत्रों का संगठन और प्रबंधन – डॉ. सुकमाल जैन
11. जनमाध्यम और पत्रकारिता – प्रवीण दीक्षित, सहयोगी साहित्य संस्थान ।
12. हिन्दी पत्रकारिता, राश्ट्रीय नव उद्‌बोधन – डॉ. श्री पाल शर्मा, युनि.प्रका. जयपुर
13. पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम– डॉ. संजीव भनावत, युनि. प्रका. जयपुर
14. पत्रकारिता एवं प्रेस विधि – डॉ. बसंती लाल बाबे, सुविधा सा.हा. भोपाल
15. संपादन कला – डॉ. संजीव भनावत, युनि.प्रका.जयपुर ।
16. हिन्दी पत्रकारिता और जन संचार – डॉ. ठाकुर दत्त शर्मा, आलोक वाणी प्रकाशन ।
17. पत्रकारिता इतिहास और प्रश्न – कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन ।
18. वृहद हिन्दी पत्र पत्रिका कोश – सूर्यप्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन ।
19. हिन्दी पत्रकारिता स्वरूप और संदर्भ – विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन ।
20. पत्रकारिता संदर्भ कोष – डॉ. सुधीन्द्र, डॉ. रामप्रकाश वाणी प्रकाशन ।
21. पत्रकारिता के विविध आयाम वेदप्रताप वैदिक
22. पत्रकारिता के विविध आयाम – वेद्रप्रताप वैदिक
23. जन माध्यम और पत्रकारिता – डॉ. पी.दीक्षित
24. छत्तीसगढ़ के पंच रत्न – रमेश नायर (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
25. छत्तीसगढ़ के नव रत्न – रमेश नायर (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
26. छत्तीसगढ़ के युग पुरूष : माधव राव सप्रे रमेश नायर (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)
27. छत्तीसगढ़ के युगपुरूष : पं. सुंदरलाल शर्मा – रमेश नायर (शताक्षी प्रकाशन, चौबे कालोनी, रायपुर)

----------0-----------

11.6.18

11/06/18

11.6.18